

महास्कंध पुं. (तत्.) ऊँट।

महास्कंधा स्त्री. (तत्.) जामुन का वृक्ष।

महास्थली स्त्री. (तत्.) पृथ्वी।

महास्नायु पुं. (तत्.) शरीर की प्रधान रक्तवाहिनी नाड़ी।

महाहनु पुं. (तत्.) 1. शिव 2. तक्षक जाति का एक प्रकार का साँप।

महाहास पुं. (तत्.) अट्टहास।

महाहि पुं. (तत्.) वासुकि (नाग)।

महि स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी 2. महिमा 3. महत्ता।

महिकांशु पुं. (तत्.) चंद्रमा।

महिका स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी 2. कुहरा, पाला, हिम।

महिक्षित पुं. (तत्.) राजा।

महिश्चरि स्त्री. (तत्.) काव्य. एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक चरण में अट्ठाइस मात्राएँ और चौदह मात्राओं पर यति होती है।

महिफल पुं. (तत्.) मधु, शहद।

महिमा स्त्री. (तत्.) 1. महत्वपूर्ण होने की अवस्था या भाव, गौरव 2. महत्ता की होने वाली प्रसिद्धि 3. वह स्थिति जिसमें किसी की क्रियाशीलता, प्रभावोत्पादकता आदि की प्रसिद्धि तथा मान्यता लोक में होती है 4. उक्त क्रियाशीलता तथा प्रभावोत्पादकता प्रयो. यह तीर्थ या गीता की महिमा थी 5. आठ सिद्धियों में से एक जिसकी प्राप्ति होने पर मनुष्य इच्छानुसार अपना विस्तार कर लेता है।

महिमावान् वि. (तत्.) महिमा से युक्त, महिमावाला पुं. पितरों का एक गण या वर्ग।

महिम्न पुं. (तत्.) शिव का एक प्रसिद्ध स्तोत्र जिसे पुष्पदंताचार्य ने रचा था।

महिर पुं. (तत्.) सूर्य।

महिराण पुं. (तत्.) समुद्र।

महिरावण पुं. (तत्.) पुराणानुसार एक राक्षस का नाम।

महिला स्त्री. (तत्.) 1. स्त्री, औरत 2. स्त्री के लिए प्रयुक्त होने वाला एक आदरसूचक शब्द 3. प्रियंगु (लता) 4. रेणुका नामक गंध-द्रव्य।

महिष पुं. (तत्.) 1. भैंसा 2. वह राजा जिसका अभिषेक शास्त्रानुसार हुआ हो 3. एक प्राचीन वर्ण-संकर जाति 4. एक साम का नाम 5. कुश द्वीप का एक पर्वत।

महिषघ्नी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

महिष-ध्वज पुं. (तत्.) 1. यमराज 2. जैनों के एक अर्हत्।

महिष-मंडल पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में, आधुनिक हैदराबाद के दक्षिण भाग का एक नाम।

महिषमर्दिनी स्त्री. (तत्.) दुर्गा का एक नाम और रूप।

महिष-वाहन पुं. (तत्.) यमराज।

महिषाकार वि. (तत्.) 1. भैंसे के आकार का 2. बहुत बड़े डील-डौलवाला।

महिषाक्ष पुं. (तत्.) 1. भैंसा 2. गुग्गुलु।

महिषाछन पुं. (तत्.) कार्तिकेय।

महिषासुर पुं. (तत्.) भैंसे के-से मुँहवाला एक प्रसिद्ध दैत्य जो रंभ नामक दैत्य का पुत्र था, इसका वध दुर्गा ने किया था।

मही स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी 2. पृथ्वी के आधार पर एक की संख्या 3. मिट्टी 4. खाली स्थान, अवकाश 5. नदी 6. सेना, फौज 7. समूह 8. गाय, गौ 9. एक प्रकार का छंद जिसमें एक लघु और एक गुरु मात्रा होती है।

मही-तल पुं. (तत्.) पृथ्वी, संसार।

महीदास पुं. (तत्.) ऐतरेय ब्राह्मण के रचयिता एक प्रसिद्ध ऋषि।

महीदेव पुं. (तत्.) भू-देव, ब्राह्मण।

महीधर पुं. (तत्.) 1. पर्वत, पहाड़ 2. शेषनाग 3. बौद्धों के अनुसार एक देवपुत्र 4. एक प्रकार का वर्णिक वृत्त जिसमें चौदह बार क्रम से लघु और गुरु आते हैं।